ज्वाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

क्रमांक–128

प्रेषक :डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक–22.10.2024

किसानों के मध्य बेहतर तकनीक के साथ नवीनतम तकनीक को फैलाने में केविके की महती भूमिका– कुलपति डॉ. पी.के.मिश्रा

कृषि विज्ञान केन्द्रों की दो दिवसीय समीक्षा और तकनीकी सहायता बैठक आयोजित

जबलपुर 22 अक्टूबर, 2024। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत आने वाले कृषि विज्ञान केन्द्रों की दो दिवसीय ज्ञान,सशक्तिकरण और तकनीकी सहायता एवं केविके की गतिविधियों की समीक्षा बैठक का आयोजन संचालक विस्तार सेवायें के **दर्पण सभागार** में कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य में आयोजित की गई। बैठक में आईसीएआर अटारी के निदेशक डॉ. एस.आर.के. सिंह, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी.के. कौतु, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. अनीता बब्बर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा बैठक के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक, किसानों को बेहतर तकनीक के साथ नवीनतम तकनीक के प्रति जागरूक करने एवं उसे विस्तारित करने में राष्ट्र हित हेतु महती आवश्यकता है। आपने कहा कि केविके के वैज्ञानिक यह सुनिश्चित करें कि, किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु उनकी फसलों का समय–समय पर निरीक्षण करें, ताकि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकें। कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कृषि विज्ञान केन्द्रों की भूमिका बदल रही है, लिहाजा ऐसे में कृषकों को खेती की हर तकनीक का अच्छे से ज्ञान हो और वो भ्रमित न हो, साथ ही वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर उनकी फसलों की पैदावार भी अच्छी हो। आपने प्राकृतिक खेती और रासायनिक दवाओं के इस्तेमाल के दुष्परिणाम को लेकर भी किसानों में जागरूकता एवं उचित मार्गदर्शन देने हेतु कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया है। एकीकृत कृषि प्रणाली पर विशेष जोर देते हुये कहा कि इस प्रणाली की मदद से किसान को जाखिम कम होगा और मुनाफा अधिक होगा। आपने बेहतर कृषि भूमि योजना की बात भी कही। हर कृषि विज्ञान केन्द्र को स्थानीय स्तर पर समस्याओं को समझना और समाधान करना इस बैठक का उद्येश्य होना चाहिये।

आईसीएआर, अटारी के निदेशक डॉ. एस.आर.के. सिंह ने कहा कि केविके, विज्ञान और तकनीकी का समन्वय करते हुये किसानों की समस्याओं का निराकरण करें। आपने कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिये हर संभव मदद करने एवं उनकी समस्याओं के निदान करने के लिये आश्वासन दिया है, साथ ही केविके की उपलब्धियों को राष्ट्रीय पटल पर रखने हेतु बात कही है।

संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के संबंध में सामान्य जानकारी प्रदान की। साथ ही कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों की भूमिका किसानों के बीच मित्रवत रहनी चाहिये, जिससे किसान अपनी समस्याओं को बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर सकें और उतने ही अच्छे ढंग से केविके के वैज्ञानिक उनकी समस्याओं का समाधान कर सकें, साथ ही उन्हें बेहतर कृषि तकनीक की जानकारी प्रदान कर अच्छे बीज और उत्पादन को लेकर मार्गदर्शन समय–समय पर प्रदान करते रहें।

संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु ने कहा कि उपलब्ध अनुसंधान तकनीकियों को समुचित ढंग से किसानों तक पहुंचाने का प्रयास करें जिससे उन्हें उचित मार्गदर्शन प्राप्त हो सकें और कृषि संबंधी समस्याओं का निदान आसानी मिल सकें।

संचालक प्रक्षेत्र डॉ. अनीता बब्बर ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि किसानों तक उच्च गुणवत्ता युक्त बीज समय पर प्राप्त हो सकें इसके लिये केविके के वैज्ञानिकों को और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. टी.आर.शर्मा ने स्वागत उद्बोधन एवं दो दिवसीय समीक्षा एवं तकनीकी सहायता बैठक के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

दो दिवसीय बैठक का संचालन वरिष्ट वैज्ञानिक डॉ. संजय वैशम्पायन और डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता एवं आभार प्रदर्शन प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. टी.आर.शर्मा द्वारा किया गया है।

इस अवसर पर 22 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।